सफलता की कहानी : वित्तीय समावेशन

एक्सएलआरआई जमशेदपुर शाखा

यह शाखा एक्सएलआरआई - जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के पास स्थित है जो देश के शीर्ष बी-स्कूलों में से एक है। इसके आस-पास के क्षेत्र में अनेक प्रवासी कामगार, श्रमिक और दैनिक मजदूरी करने वाले लोग रहते हैं। एक वित्तीय समावेशन अभियान में, इस शाखा ने 160 महिलाओं के खाते खोले हैं जो एक्सएलआरआई, जमशेदपुर में आकस्मिक मजदूर के रूप में कार्य करती हैं। इनमें से एक महिला पश्चिम बंगाल के वित्तीय घोटाले की शिकार हुई थी और उसने एक चिट फंड कंपनी में जमा अपनी रु.50,000/- की प्रमुख बचत को खो दिया। इस शाखा ने एक्सएलआरआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता उपलब्ध कराई और इन खातों में लगभग 90 प्रतिशत खाते सक्रिय हैं और इनमें रु.2,000/- से अधिक औसत शेष हैं।

फरीदाबाद शाखा

एनसीआर दिल्ली के निकट फरीदाबाद के औद्योगिक कस्बे में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक रहते हैं। चूंकि अधिकांश औद्योगिक इकाइयां अपने श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान नकदी में करती हैं, इसलिए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि बैंक खातों के माध्यम से ऐसे भुगतान करने के लिए बैंकिंग चैनल का उपयोग किया जाए। हमारी फरीदाबाद शाखा ने औद्योगिक इकाइयों में पहुँचने और इकाइयों के परिसरों में ही खाते खोलने की पहल शुरू की। इस शाखा ने 72 व्यवसाय प्रतिनिधि तैनात किए और औद्योगिक कामगारों के 55,000 खाते खोले हैं। पासबुक और रुपे कार्ड जारी करना भी सुनिश्चित किया गया जिससे ये कामगार निकटवर्ती किसी भी एटीएम से नकद राशि निकाल सकते हैं। अधिकांश खातों को आधार से जोड़ा गया है। इस शाखा ने 'स्वयम्' मशीन भी लगाई है जिससे कि पासबुक अद्यतन की जा सके।

असम

कामरुप जिले के नगरबेरा गाँव से कजल मेढ़ी (सीएसपी-डीडीसीएल कोड 10021208, संपर्क-9854698461, संपर्क शाखा- लुकी) पिछले दो वर्षों से बैंकिंग किओस्क के रूप में हमसे जुड़े हुए हैं। आज तक उसने लगभग 2500 कियोस्क बैंकिंग खाते खोले हैं और पीएमजेडीवाई योजना के दौरान, उसने 1400 खाते खोले हैं। गांवों में वित्तीय सलाहकार के रूप में मेढ़ी अपनी अच्छी छवि बना रहा है और शाखा के साथ अच्छे व्यावसायिक संबंध बनाए हुए है।

सच कहें, तो शाखा प्रबंधक भी संभावित ग्राहकों को श्री मेढ़ी के पास भेज देते हैं। धीरे-धीरे गांव वालों को उसके मार्ग-दर्शन और उसके द्वारा प्रदान की जा रही बेहतर सेवा से काफी फायदा हुआ है। पीएमजेडीवाई योजना के शुरू होने से उसके क्षेत्र के ग्राहकों को लाभ हो रहा है और इस योजना के अंतर्गत उसने लगभग 1000 खाते खोले हैं।

अब श्री मेढ़ी वास्तव में अपने कार्य से बहुत खुश है और अपने परिवार की आजीविका चलाने के लिए प्रति माह लगभग रु.15,000 कमा रहे हैं। निरंतर बढ़ती हुई आय और गांव वालों के विश्वास से उसे काफी प्रोत्साहन मिला है।

2. एसएसए बुतियापुंजी गांव, करीमगंज जिले से गुलाम नबी आजाद (सीएसपी-डीडीसीएल कोड 10021482, संपर्क-9957060653, संपर्क शाखा- पाथेर कंडी) दिनांक 15 अगस्त 2013 से 'दृष्टि-एसबीआई एलायंस' के लिए ग्राहक सेवा प्रदाता के रूप में हमसे जुड़े हुए हैं। अपना सफर शुरू करने से लेकर अब तक स्थानीय समुदाय के 90 प्रतिशत लोगों ने ग्राहक सेवा केन्द्र में खाते खोले हैं, जो श्री गुलाम नबी आजाद द्वारा चलाया जा रहा है और वित्तीय रूप से, आर्थिक रूप से क्षेत्र विशेष में व्यापक सुधार ला रहे हैं। ग्राहक सेवा केन्द्र का मालिक खाताधारकों को नकदी जमा करना, नकदी निकालना, चेकों के भुगतान की सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है जिससे वे बहुत खुश हैं और इस प्रकार का ग्राहक केन्द्र खुलने की बहुत सराहना कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि यह एक ग्राहक सेवा केन्द्र नहीं है, यह एक छोटी शाखा की तरह कार्य कर रहा है।

पीएमजेडीवाई योजना के बाद, उसने सफलतापूर्वक 2700 खाते खोले हैं।

गाँव के लोग बैंकिंग सेवाओं से बहुत लाभान्वित हुए हैं। उसने उनके लिए बैंकिंग सेवाओं को आसान बना दिया और आर्थिक रूप से यह क्षेत्र दिन-प्रति-दिन विकास कर रहा है। उसके हाथ में आने वाली मासिक औसत आय रु.10,000/- से भी अधिक है। अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए उसने पीओएस मशीन भी ली है और वह शीर्ष निष्पादकों में से एक है। एक अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित करके, बेहतर आपसी संवाद से और गाँव के लोगों की अच्छी सेवा करके, वह वहाँ पर एक प्रमुख भूमिका अदा कर रहा है। वास्तव में यह व्यवसाय उसकी आजीविका में एक निर्णायक भूमिका अदा कर रहा है और उसे अत्यधिक आत्म-संतोष प्रदान कर रहा है।

3. बेचीमारी गाँव, दारंग जिले से इक्बाल हुसैन (सीएसपी कोड 10020004, संपर्क-9854088405, लिंक शाखा डलगांव) 'दृष्टि-एसबीआई एलायंस' के लिए ग्राहक सेवा प्रदाता के रूप में कुछ वर्षों से हमसे जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत उसने 1500 से अधिक खाते खोले हैं, रु.1.75 करोड़ से अधिक की सावधि जमाएं प्राप्त की हैं, रु.4 करोड़ से अधिक के कृषि एवं कृषीतर ऋण खाते संस्वीकृत किए हैं और सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने लगभग 12000 किओस्क बैंकिंग खाते खोले हैं।

गाँव के लोग बैंकिंग सेवाओं से बहुत लाभान्वित हुए हैं। उसने उनके लिए बैंकिंग सेवाओं को आसान बना दिया और आर्थिक रूप से यह क्षेत्र दिन-प्रति-दिन विकास कर रहा है। वह आम लोगों को विशेष रूप से कृषि आधारित और एसएमई ऋण प्राप्त करने और अपने स्वयं के आजीविका स्रोत जुटाने में उनकी मदद कर रहा है।

उसके हाथ में आने वाली मासिक औसत आय रु.30,000/- से भी अधिक है। इन दिनों में श्री हुसैन बहुत खुश है। नियमित आपसी संवाद से और गाँव के लोगों की मदद करके वह वहाँ पर एक अच्छी छवि बना रहा है। वास्तव में यह व्यवसाय उसकी आजीविका कमाने और आत्म-संतुष्टि प्राप्त करने में एक निर्णायक भूमिका अदा कर रहा है।

****